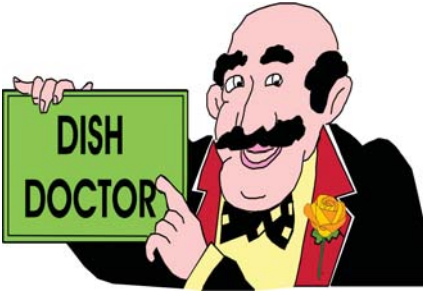


DISH DOCTOR



Ask us any questions or problems faced by you in the course of your business. Our DISH DOCTOR will try and answer them in the best way possible, in the simplest terms, avoiding the unnecessary use of technical terms where possible. The service is available free to our readers and subscribers.

Send Your Queries To: Dish Doctor, 312/313, A Wing, 3rd Floor, Dynasty Business Park, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Mumbai – 400059. or

Email: manoj.madhavan@nm-india.com. Now you can WhatsApp Your Dish Doctor Queries To: +91-91082 32956

OTT GROWTH

Q: How has OTT evolved and what has spurred the growth?

*Srinivas Venkatswami
Media Consultant, Bangalore*

Ans.: India is currently the world's second-largest telecommunications market. As on 31.03.2023, there were 1.172 billion telephone subscribers in the country. Till about 2012, voice telephony and Short Message Service (SMS) were the flagship telecommunication services in the country. Thereafter, internet services, particularly Broadband internet services, have witnessed a remarkable growth in the country. The broadband subscriber base in the country leapfrogged by 55 times from a modest base of about 15 million in December 2012 to about 832 million in December 2022. The compound annual growth rate (CAGR) of broadband subscriber base in India was about 49% during the period from the year 2012 to 2022.

With the growth in mobile and fixed broadband penetration, a wide variety of Over-the-top (OTT) services have become available to consumers. As per International Telecommunication Union (ITU), OTT is an "application accessed and delivered over the public Internet that may be a direct technical/ functional

ओटीटी का विकास

प्रश्न: ओटीटी कैसे विकसित हुआ और किसने विकास को प्रेरित किया है?

*श्रीनिवास वेंकटस्वामी,
मीडिया सलाहकार, बंगलौर*

उत्तर: भारत वर्तमान में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार है। 31.03.2023 तक, देश में 1,172 बिलियन ग्राहक

थे। लगभग 2012 तक, वॉयस टेलीफोनी और शॉर्ट मैसेज सर्विस (एसएमएस) देश में प्रमुख दूरसंचार सेवाएँ थीं। इसके बाद, देश में इंटरनेट सेवाओं, विशेषकर ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गयी है। देश में ब्रॉडबैंड ग्राहक आधार दिसंबर 2012 में लगभग 15 मिलियन के मामूली आधार से 55 गुना बढ़कर दिसंबर 2022 में लगभग 832 मिलियन हो गया। वर्ष 2012 से 2022 की अवधि के दौरान

भारत में ब्रॉडबैंड ग्राहक आधार की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) लगभग 49% थी।

मोबाइल और फिक्स्ड ब्रॉडबैंड पहुंच में वृद्धि के साथ, उपभोक्ता के लिए विभिन्न प्रकार की ओवर-द-टॉप (ओटीटी) सेवाएँ उपलब्ध हो गयी हैं। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के अनुसार ओटीटी एक 'सार्वजनिक इंटरनेट पर एक्सेस और वितरित किया जाने वाला एप्लिकेशन है जो पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार सेवाओं के लिए



substitute for traditional international telecommunication services.” The best-known examples of OTT are Whatsapp, Telegram, skype, etc.

In the past one decade, the OTTs have hugely impacted the telecommunication ecosystem worldwide. As a result, the impact of OTTs is being analyzed in many countries. In India, initial attempts to analyze the impact of OTT services were made in the year 2015 separately by Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) and the Department of Telecommunications (DoT), Government of India. TRAI issued a consultation paper on Regulatory Framework for Over-the-top (OTT) services dated 27.03.2015 for consultation with stakeholders. The said consultation process remained inconclusive. Besides, DoT issued ‘Net Neutrality DoT Committee Report’ in May 2015. The said report examined, inter-alia, the OTT services, and their impact on the telecom sector

The OTT landscape is remarkably dynamic and competitive, as users increasingly spread their time between more and more applications. The decreasing cost of high-speed Internet connectivity and the increasing processing power and storage space on personal devices allow people to move easily between different apps, add new ones or use several at the same time. There is considerable overlap between the user bases of competing applications, and OTT technologies impose virtually no constraints on end users from using many similar applications concurrently, a process known as ‘multihoming’. In Germany, for instance, a May 2020 report by the Bundesnetzagentur (Federal Network Agency) found that 65% of survey respondents practise multihoming for communication OTT applications. ■

प्रत्यक्ष तकनीक/कार्यात्मक विकल्प हो सकता है। ओटीटी के सबसे प्रसिद्ध उदाहरण व्हाट्सअप, टेलीग्राम, स्काइप आदि हैं।

पिछले एक दशक में ओटीटी ने दुनियाभर में दूरसंचार पारिस्थितिकीतंत्र को काफी प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप कई देशों में ओटीटी के प्रभाव का विश्लेषण किया जा रहा है। भारत में ओटीटी सेवाओं के प्रभाव का विश्लेषण करने के प्रारंभिक प्रयास वर्ष 2015 में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) और दूरसंचार विभाग (डीओटी) भारत सरकार द्वारा अलग-अलग किये गये थे। ट्राई ने हितधारकों के साथ परामर्श के लिए दिनांक 27.03.2015 को ओवर-टॉप (ओटीटी) सेवाओं के लिए नियामक ढांचे पर परामर्श पत्र जारी किया। उक्त परामर्श प्रक्रिया बेनतीजा रही। इसके अलावा डॉट ने मई 2015 में ‘नेट न्यूट्रैलिटी’ डॉट कमेटी रिपोर्ट जारी की। उक्त रिपोर्ट में अन्य बातों के अलावा ओटीटी सेवाओं और दूरसंचार क्षेत्र पर उनके प्रभाव की जांच की गयी।

ओटीटी परिदृश्य उल्लेखनीय रूप से गतिशील और प्रतिस्पर्धी है, क्योंकि उपयोगकर्ता तेजी से अधिक से अधिक अनुप्रयोगों के बीच अपना समय बांट रहे हैं। हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी की घटती लागत और व्यक्तिगत उपकरणों पर बढ़ती प्रोसेसिंग पावर और स्टोरेज स्पेस लोगों को विभिन्न ऐप्स के बीच आसानी से स्थानांतरित करने, नये जोड़ने या एक ही समय में कई का उपयोग करने की अनुमति देती है। प्रतिस्पर्धी अनुप्रयोगों के उपयोगकर्ता आधारों के बीच काफी ओवरलैप है, और ओटीटी प्रौद्योगिकियां अंतिम उपयोगकर्ताओं पर एक साथ कई समान अनुप्रयोगों का उपयोग करने से लगभग कोई बाधा नहीं डालती है, इस प्रक्रिया को ‘मल्टीहोमिंग’ के रूप में जाना जाता है। उदाहरण के लिए जर्मनी में बुंडेसनेटज़ाजेंटूर (फेडरल नेटवर्क एजेंसी) की मई 2020 की रिपोर्ट में पाया गया कि 65% सर्वेक्षण उत्तरदाता संचार ओटीटी अनुप्रयोगों के लिए मल्टीहोमिंग का अभ्यास करते हैं। ■

31st Edition
SCAT2023
SCAT INDIA TRADESHOW ■ MUMBAI
8 - 10 October, 2023
Jio World Convention Centre, Mumbai
www.scatindiashow.com

NÜRNBERG MESSE
OFFICIAL MEDIA PUBLICATION
SATELLITE
www.scatmag.com

Contact:
Mob.: +91-9108208956
Email: geetalalwani@nm-india.com

